an>

Title: Need to start the Korba-Raipur Intercity Express in Chhattisgarh.

डॉ. बंशीलाल महतो (कोरबा) : महोदय, मैं छत्तीसगढ़ के कोरबा लोक सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं। छत्तीसगढ़ भारतवर्ष का सबसे संपन्न प्रदेश है लेकिन वहां रेल की सुविधा बिल्कुल भी नहीं है। अभी जो बजट पेश हुआ है, रेल का बजट जरूर अच्छा है लेकिन छत्तीसगढ़ में कोरबा क्षेत्र की उपेक्षा हुयी है। कोरबा क्षेत्र में कोयले का अपार भंडार है, 49 खदानें हैं, ऊर्जा के क्षेत्र में कोरबा ऊर्जा धानी है। वह दस हजार मेगावाट से ज्यादा बिजली पैदा करने वाला प्रदेश है। वहां बॉक्साइट की खदान हैं और वहां एल्युमिनियम का कारखाना है, पॉवर स्टेशन है, हसदेव नदी पर बांगो डैम है, जो सबसे बड़ा बहुउद्देश्यीय डैम है। वहां भारतवर्ष के सभी प्रदेशों के लोग रहते हैं, लेकिन वहां रेल की सुविधा बहुत कम है। वहां पीट लाइन बिछा दी गयी है। वहां आज तक किसी प्रकार की गाड़ियों का स्टापेज नहीं है। रात को ढुलाई नहीं होती है, लंबी दूरी की गाड़ियां नहीं चलती हैं। मैं तो कहता हूं कि इंटरसिटी एक्सप्रेस एक चुनावी गाड़ी थी, वह 27 फरवरी को प्रारंभ हुयी और 27 मई को उसे बंद कर दिया गया।

हमारा पुनः निवेदन है कि उस इंटरसिटी एक्सप्रेस का नाम बदलकर हसदेव एक्सप्रेस के नाम से उसे चलाया जाए। कोरबा का बिलासपुर जोन सबसे समृद्धशाली जोन है और उसका सबसे ज्यादा हिस्सा कोरबा नगर देता है, हर दस मिनट में एक मालगाड़ी का लदान होता है और उसके बाद भी वहां किसी प्रकार की रेल की सुविधा नहीं दी गयी है।

हमारी पुनः आपके माध्यम से आदरणीय रेल मंत्री जी से, प्रधानमंत्री जी से मांग है कि कोरबा क्षेत्र के बहुमुखी विकास के लिए इंटरसिटी एक्सप्रेस का नाम बदलकर हसदेव एक्सप्रेस के नाम से चलाया जाए। जिस प्रकार से वेनगंगा एक्सप्रेस है, जिस प्रकार से शिवनाथ एक्सप्रेस है, महानदी एक्सप्रेस है, जम्मूतवी एक्सप्रेस है, वैसे ही वहां की पावन नदी हसदेव के नाम उस एक्सप्रेस ट्रेन को चलाया जाए। यही हमारी मांग है। गाड़ी संख्या 08795 कोरबा-रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस ऊर्जाधानी कोरबा से प्रारंभ होकर न्यायधानी बिलासपुर होते हुए राजधानी रायपुर तक जाती थी अर्थात् इस ट्रेन से चार संसदीय क्षेत्र कोरबा, जांजगीर-चांपा, बिलासपुर एवं रायपुर की जनता को लाभ होता था। अतः इस ट्रेन का पुनः प्रारंभ होना आवश्यक है।

HON. CHAIRPERSON : The House stands adjourned to meet again tomorrow, the 22nd of July, 2014, at 11.00 a.m.

18.44 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Tuesday, July 22, 2014/Ashadha 31, 1936 (Saka).

---

* ण्ड्ढ म्न्द अ ड्ढत्ड्ढड्ड ड्डत्थ्ड्ढ ण्ड्ढ दड्ढर्ठ द्रढ ड्ढ ग्ड्ढभ्ड्ढड्ढ त्ड्ढड्ढत्ड्ढड्ढथ्ड्ढम् ण्ड्ढद्य् ण्ड्ढ द्र्वड्ढद्य्न्द्र ड्ढम् ड्ढहप्द्वड्ढथ्न् ड्ढत्ड्ढड्ड द्रद ण्ड्ढ ब्थ्द्रद्ध द्रढ ण्ड्ढ Hद्वभ्ड्ढ ड्ढ्र् ण्ड्ढद्य् ग्ड्ढभ्ड्ढड्ढ.

* ग्द्रद्य् द्ध्ड्ढहद्रद्ध्ड्ड्ड्ढड्ड.

* ग्द्रद्य् द्ध्ड्ढहद्रद्ध्ड्ड्ड्ढड्ड ड्ढम् द्रद्ध्ड्ड्ड्ढद्ध्ड्ढड्ड ड्ढ्र् ण्ड्ढ ण्ड्ढत्द्ध.

|| ग्द्रद्य् द्ध्ड्ढहद्रद्ध्ड्ड्ड्ढड्ड.

* ग्द्रद्य् द्ध्ड्ढहद्रद्ध्ड्ड्ड्ढड्ड.

* ग्द्रद्य् द्ध्ड्ढहद्रद्ध्ड्ड्ड्ढड्ड.

* ग्द्रद्य् द्ध्ड्ढहद्रद्ध्ड्ड्ड्ढड्ड.

* ग्द्रद्य् द्ध्ड्ढहद्रद्ध्ड्ड्ड्ढड्ड.

* ग्द्रद्य् द्ध्ड्ढहद्रद्ध्ड्ड्ड्ढड्ड.

* Eदथ्त्र्ण् य्द्धड्ढदथ्ड्ढय्त्द्रद द्रढ ण्ड्ढ म्द्रड्ढड्ढहण् द्रद्धश्त्दड्ढथ्न् ड्ड्ड्ढथ्त्थ्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ड्ढर्ठथ्द्वदर्व.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्रद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्रद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्रद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्रद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्रद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्रद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.
* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.